



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

280  
4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

ID - 12244  
17/11/76

सं. 40[

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 4, 1975 (आस्विन 12, 1897)

No. 40]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 4, 1975 (ASVINA 12, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### नोटिस

### NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 3 सितम्बर 1975 तक प्रकाशित किए गए हैं—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 3rd September 1975:—

अंक	संख्या और तिथि	द्वारा जारी किया गया	विषय
Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
	सं. एफ० 3-36/75-प० टी० 2, दिनांक 3 सितम्बर, 1975	शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय	भविष्य निधि अधिनियम, 1925 की अनुसूची में केन्द्रीय विद्यालय संगठन नाम को दर्जना।
169.	F. 3-36/75-U.T. 2, dated the 3rd September, 1975.	Ministry of Edu- cation & Social Welfare.	Addition to the Schedule to the Provident Funds Act, 1925 the name of the Kendriya Vidyalaya Sangathan.
	सं. एफ० 3-36/75-प० टी० 2, दिनांक 3 सितम्बर, 1975	शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय	भविष्य निधि अधिनियम, 1925 केन्द्रीय विद्यालय संगठन के कर्मचारियों के लाभ के लिए भी लागू होंगे।
	No. F. 3-36/75-U. T. 2, dated the 3rd September, 1975.	Ministry of Edu- cation & Social Welfare.	The Provident Funds Act, 1925 shall apply to the benefit of the em- ployees of the Kendriya Vidyalaya Sangathan.

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियाँ, प्रकाशन नियंत्रक, सिविल साइर्स, विल्सो के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी।  
मांग-पत्र नियंत्रक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से इस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on indent to the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Controller within ten days of the date of issue of these *Gazettes*.

## विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 719	जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आवेदन, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) . . . . .	पृष्ठ 2775
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1579	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं . . . . .	3561
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	99	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	459
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1295	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	8821
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	681
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रबंध समितियों की रिपोर्ट	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . . . .	1831
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	171	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	—

## CONTENTS

PAGE	PAGE
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. . . . .	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. . . . .
719	2775
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. . . . .	PART II—SECTION 3.—Sub. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. . . . .
1579	3561
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence .. . . . .	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence .. . . . .
99	459
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence .. . . . .	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Officers of the Government of India .. . . . .
1295	8821
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations .. . . . .	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta .. . . . .
—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. . . . .
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills .. . . . .	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. . . . .
—	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies .. . . . .
PART II—SECTION 3.—Sub. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India	1831
—	171

भाग I—खंड 1

## PART I--SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) • रत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा जारी की गई विभिन्न नियमों, विज्ञियों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं।

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

## भौतिकण्डल सचिवालय

## कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 4 अक्टूबर 1975

## नियम

पद्ध. सं. 12/8/75-सी० एस०-II—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1976 में निम्नलिखित सेवाओं/पदों में अस्थायी रिक्तियों में नियुक्ति के लिये ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम जन-साधारण की सूचना के लिये प्रकाशित किये जाते हैं :—

- (I) भारतीय विदेश सेवा (ख) (आशुलिपिक के उप संवर्ग का ग्रेड-II),
- (II) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा-ग्रेड-II (ग्रेड को चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए),
- (III) सशस्त्र सेना मुद्यालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-II, और
- (IV) भारतीय विदेश सेवा (ख)। रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा। केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा। सशस्त्र सेना मुद्यालय आशुलिपिक सेवा में भाग न लेने वाले भारत सरकार के अन्य विभागों/संगठनों तथा संबद्ध कार्यालयों में आशुलिपिकों के पद।

1. उपर्युक्त सेवाओं/पदों में से किसी एक या एक से अधिक से सबंधित परीक्षा में प्रवेश के लिये कोई उम्मीदवार आवेदन कर सकता है। इन सेवाओं/पदों में से जितनों के लिए भी वह उम्मीदवार चाहे अपने आवेदन पत्र में उनका निर्देश कर सकता है।

टिप्पणी 1—उम्मीदवारों को चाहिए, कि वे जिन सेवाओं/पदों के लिये प्रतियोगिता करना चाहते हैं, उनकी वरीयता के क्रम को स्पष्ट रूप से लिख दें। उम्मीदवार द्वारा प्रारंभ में अपने आवेदन-पत्र में निर्दिष्ट सेवाओं/पदों के वरीयता क्रम में परिवर्तन करने की किसी भी ऐसी प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा जो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालयों में 31 अगस्त, 1976 को या उससे पहले न मिल जाए।

टिप्पणी 2—इस परीक्षा के आधार पर भर्ती करने वाले भारत सरकार के कुछ विभागों/कार्यालयों को केवल प्रंगेजी के आशुलिपिकों की आवश्यकता होगी और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर इन विभागों/कार्यालयों में आशुलिपिकों के पदों पर नियुक्तियाँ केवल उन व्यक्तियों में से की जाएंगी जिनकी प्रंगेजी में लिखित परीक्षा तथा आशुलिपि परीक्षाओं के आधार पर आयोग द्वारा सिफारिश की जायेगी (नियमों के परिणाम इके बैरा 3 के संदर्भ में)।

2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए जाने वाले नोटिस में बताई जाएंगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए पद सरकार द्वारा निश्चित रिक्तियों को देखते हुए आरक्षित रखे जाएंगे।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों से अभिप्राय निम्नलिखित आदेशों में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों में से किसी एक से है :—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) आदेश 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति सूचियाँ (संशोधन) आदेश, 1956 बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित। संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956 संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959 संविधान (दादर और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962 संविधान (दादर और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962 संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति, 1964 संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) उत्तर प्रदेश आदेश

1967 संविधान (गोप्ता दमन और दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968 संविधान (गोप्ता दमन और दीव) आदिम जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैंड) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस परीक्षा का संचालन इन नियमों के परिणामतः 1 में विहित विधि से किया जाएगा। परीक्षा की तारीखें और स्थान आयोग द्वारा निश्चित किये जाएंगे।

4. (1) यह आवश्यक है कि उम्मीदवार या तो
  - (क) भारत का नागरिक हो, या
  - (ख) नेपाल को प्रजा, या
  - (ग) भूटान की प्रजा, या
- (ब) ऐसा तिब्बती शरणार्थी हो जो भारत में स्थायी रूप से बसने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पूर्व भारत आ गया हो, या
- (ड) भारतीय मूल का ऐसा व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से बसने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और केन्या, उगान्डा तथा संयुक्त गण-राज्य तंजानिया इन पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रवर्जित हुआ हो।

परन्तु ऊपर की (ख), (ग), (ब) और (ड) श्रेणियों से संबंधित उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा उनके नाम दिया गया पात्रता का प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

परन्तु यह भी कि उपर्युक्त (ख), (ग) और (ब) के बगौं के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ड) (आशुलिपिकों के उप-संवर्ग का ग्रेड-II) में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे।

- (2) किसी उम्मीदवार को, जिसके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक है, यदि सरकार आवश्यक प्रमाण-पत्र दे दे तो, उसे परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है और अन्तिम रूप से उसकी नियुक्ति भी की जा सकती है।

5. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का न हो, अथवा भूतपूर्व पुर्तगाली राज्य क्षेत्र गोप्ता, दमन और दीव के निवासी न हो, या कैन्या, उगान्डा और संयुक्त गण राज्य तंजानिया से प्रवर्जन करके न आया हो वह परीक्षा में खो बार से अधिक प्रतियोगिता नहीं कर सकेगा, किन्तु यह प्रतिबंध सन् 1962 में हुई परीक्षा से लागू होगा।

टिप्पणी 1—यदि कोई उम्मीदवार एक या अधिक सेवाओं/पदों के लिए प्रतियोगिता दे तो, इस नियम के प्रयोजन के लिए उस उम्मीदवार की परीक्षा

के अन्तर्गत आने वाली सभी सेवाओं/पदों के लिए एक बार प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा माना जाएगा।

टिप्पणी 2—किसी उम्मीदवार को प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा हुआ तब माना जाएगा, जब वह वास्तव में किसी एक या अधिक विषयों की परीक्षा में बैठा हो।

6. (क) इस परीक्षा में बैठने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी, 1976 को पूरे 18 वर्ष की हो गई हो किन्तु उसकी आयु पूरे 25 वर्ष न हुई हो। अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1951 से पहले और 1 जनवरी, 1958 के बाद न हुआ हो।

(ख) उन व्यक्तियों के संबंध में ऊपरी आयु सीमा 35 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती हो जो, संघ राज्य क्षेत्रों, प्रशासनीय अधिकारी निवाचित आयोग तथा केन्द्रीय सत्रकंता आयोग के अधीन व्यक्तियों सहित, भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों में आशुलिपिक (जिनमें भाषा आशुलिपिक भी शामिल है लिपिक (आशुटंक) के पदों पर नियमित रूप से नियुक्त हैं और 1 जनवरी, 1976 को जिन्होंने आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक समेत) / लिपिकों / आशुटंकों के रूप में कम से कम तीन वर्ष निरन्तर सेवा की है, तथा उक्त पदों पर अभी तक काम कर रहे हैं।

परन्तु उपर्युक्त आयु संबंधी छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जायेगी जो संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पहले सी गई परीक्षाओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी में आशुलिपिक के रूप में नियुक्त किये जा चुके हैं।

- (I) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-II, या
- (II) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-II, या
- (III) भारतीय विदेश सेवा (ख) आशुलिपिकों के उप-संवर्ग का ग्रेड-II, या
- (IV) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-II।

टिप्पणी 1—आक व तार विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेल बोर्ड छंटाईकारों की सेवा उपर्युक्त नियम 6(ख) के प्रयोजन के लिये लिपिक के ग्रेड में को गई सेवा मानी जाएगी।

टिप्पणी 2—रक्षा प्रतिष्ठानों में नियुक्त सेवा लिपिकों द्वारा की गई सेवा उपर्युक्त नियम 6(ख) के प्रयोजन के लिए नहीं गिनी जाएगी।

(ग) ऊपर के सभी मामलों में ऊपरी आयु सीमा में निम्नलिखित और भी छूट दी जायेगी:—

- (i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद परन्तु 25 मार्च 1971 के पहले प्रव्रजन करके भारत आया हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद परन्तु 25 मार्च, 1971 के पहले प्रव्रजन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक,
- (iv) यदि उम्मीदवार गोआ दमन और दीव के भूतपूर्व पुर्तगाली राज्य क्षेत्र का रहने वाला हो तो अधिकतम तीन वर्ष,
- (v) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौता के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से भारत में प्रवर्जित हुआ हो तो अधिकतम 3 वर्ष तक,
- (vi) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित हो तथा श्री लंका से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 से भारत में प्रवर्जित हुआ हो के अधिकतम आठ वर्ष तक,
- (vii) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का हो और केन्या उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया से प्रवर्जित हो तो अधिकतम 3 वर्ष,
- (viii) यदि उम्मीदवार बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवर्जित हुआ हो, को अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (ix) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित हो और बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो तथा पहली जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवर्जित हुआ हो, तो अधिकतम आठ वर्ष तक,
- (x) किसी दूसरे देश से भगड़ों के दौरान अथवा उपद्रव-ग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियां करते समय विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा-कार्मिकों के मामलों में अधिकतम तीन वर्ष,
- (xi) किसी दूसरे देश से भगड़ों के दौरान अथवा उपद्रव-ग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियां करते समय विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से ऐसे रक्षा सेवा-कार्मिकों के मामलों में, जो अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों से सम्बन्धित हों, अधिकतम 8 वर्ष तक,
- (xii) 1971 में हुए भारत पाक संघर्ष के दौरान लड़ाई में विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के कार्मिकों के मामलों में अधिकतम तीन वर्ष तक,
- (xiii) 1971 में हुए भारत पाक संघर्ष के दौरान लड़ाई में विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के ऐसे कार्मिकों के मामले में अधिकतम 8 वर्ष तक जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हों।

ऊपर बताई गई स्थितियों के अलावा ऊपर निर्धारित शायु सीमाओं में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकेगी।

ध्यान दें :— (i) यदि किसी उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 5 (ख) में उल्लिखित शायु सम्बन्धी रिआयतों के अन्तर्गत परीक्षा में बैठने दिया गया हो और यदि वह आवेदन पत्र देने के बाद परीक्षा में बैठने से पहले या बाद में, नौकरी से त्याग पद दे दे या उसके विभाग द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएं तो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। लेकिन यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद सेवा या पद से उसकी छंटनी हो जाए तो वह पात्र बना रहेगा।

(ii) ऐसा आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक सहित)/लिपिक/आशुटंक के सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग बाष्प पदों पर प्रतिनियुक्ति पर है अथवा जिसे किसी अन्य पद पर स्थानांतरित कर दिया गया है परन्तु जिस पद से वह स्थानांतरित किया गया है उस पर नियन्त है, परीक्षा में बैठने का पात्र होगा, यदि वह अन्यथा पात्र हो।

7. यह आवश्यक है कि उम्मीदवारों ने नीचे लिखी परीक्षा घोरों में से कोई एक पास की हो और उसके पास निम्नलिखित में से कोई एक प्रमाण पत्र हो :—

- (i) भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मण्डल के किसी अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक परीक्षा,
- (ii) किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड द्वारा भाष्यमिक स्कूल कोर्स के अन्त में स्कूल लीविंग माध्यमित स्कूल, हाई स्कूल या ऐसे किसी और प्रमाण पत्र की जिसे वह राज्य सरकारी की नौकरी में प्रवेश के लिए मैट्रिक के प्रमाण पत्र के समकक्ष मानते हों, ली गई परीक्षा,

- (iii) कैम्ब्रिज स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा। (सीनियर कैम्ब्रिज),
- (iv) राज्य सरकारों द्वारा ली गई यूरोपीय हाई स्कूल परीक्षा,
- (v) श्री अरविंद अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्रीय पांडिचेरी के उच्चतर माध्यमित शिक्षा पाठ्यक्रम की दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र,
- (vi) दिल्ली पोलीटैक्नीक के तकनीकी हायर सैकण्डरी स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र,
- (vii) मान्यता प्राप्त हायर सैकण्डरी स्कूल/मल्टी परपज स्कूल द्वारा हायर सैकण्डरी पाठ्यक्रम /मल्टीपरपज पाठ्यक्रम (जो किसी उम्मीदवार को 3 वर्ष के डिग्री कोर्स में प्रवेश के लिए योग्य बनाता है) के उपान्तिम वर्ष के अन्त में ली गई परीक्षा में उत्तीर्ण,
- (viii) मान्यता प्राप्त उस स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र जो इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा के लिए छात्रों को तैयार करता है,
- (ix) जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली की जूनियर परीक्षा केवल जामिया के वास्तविक आवासी छात्रों के लिए,
- (x) बंगल (विज्ञान) स्कूल सर्टिफिकेट,
- (xi) राष्ट्रीय शिक्षा परिषद्/नेशनल काउन्सिल आफ एजूकेशन। जादवपुर, पश्चिमी बंगल की फाईनल स्कूल स्टेटर्ड परीक्षा (आरम्भ से लेकर),
- (xii) पांडिचेरी को नीचे लिखी फेंच परीक्षाएँ :—
  - (i) ब्रीवे एलिमेटैयर (ii) ब्रीवे दे 'ए सीमा' प्रीमियर द लेंग्वेज इंडियन (iii) ब्रीवे द एल्यू द थू प्रीमियर सीकल (iv) ब्रीवे द एंसीमा प्रीमियर सुपीरियर द लांग इंडियन और (v) ब्रीवे द लांग इंडियन (वर्नाकूलर)।
- (xiii) इंडियन आर्मी स्पेशल सर्टिफिकेट आफ एजूकेशन,
- (xiv) भारतीय नौसेना का हायर एजूकेशनल टैस्ट,
- (xv) एडवान्स क्लास (भारतीय नौसेना) परीक्षा,
- (xvi) सीलौन सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा,
- (xvii) ईस्ट बंगल सेकेन्डरी एजूकेशन बोर्ड, ढाका द्वारा किया गया प्रमाण पत्र,
- (xviii) माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कोमीला/राजशाही/खुलना (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) द्वारा दिए जाने वाले माध्यमिक स्कूल प्रमाण पत्र,
- (xix) नेपाल सरकार की स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट परीक्षा,
- (xx) एंग्लोवर्नाकूलर स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट वर्मा,
- (xxi) वर्मा हाई स्कूल फाईनल एजामिनेशन सर्टिफिकेट,
- (xxii) शिक्षा विभाग वर्मा (युद्ध पूर्व) की एंग्लोवर्नाकूलर हाई स्कूल परीक्षा,
- (xxiii) वर्मा का पोस्ट वार लीविंग सर्टिफिकेट,
- (xiv) गुजरात विद्यापीठ अहमदाबाद की 'विनीत' परीक्षा,
- (xxv) गोवा, दमन और दियु की पुर्तंगाली मोग्यता लाईसियम के पांचवे वर्ष में पास,
- (xxvi) 'सामान्य' स्तर पर श्रीलंका की जनरल सर्टिफिकेट आफ एजूकेशन नाम परीक्षा यदि वह पांच विषयों में पास की गई हों,
- (xxvii) सामान्य स्तर पर संदन के एसोसिएटेड एजामिनेशन बोर्ड की जनरल सर्टिफिकेट आफ एजूकेशन परीक्षा, यदि वह अंग्रेजी सहित पांच विषयों में पास की गई हों,
- (xxviii) किसी राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई जूनियर सेकेन्डरी तकनीकी स्कूल परीक्षा,
- (xxix) पूर्व माध्यम (अंग्रेजी सहित) या पुरानी खंड मध्यमा (प्रथम दो वर्ष का पाठ्यक्रम) और वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के विषयों में अंग्रेजी सहित अतिस्तिक्त विषयों में विशिष्ट परीक्षा,
- (xxx) गोशा, दमन और दियु की मुक्ति के पहले पुर्तंगाली व्यवस्था / के अधीन ऐसकोला इन्डस्ट्रियल कार्मसियल डि गोवा, पणजी, द्वारा प्रदत्त कोर्ट कि कर्सों डि सिरालहोइरो (स्मरण पाठ्यक्रम का प्रमाण पत्र) और कोटा डि कर्सों डि मान्टाओर ए, एले द्रिसिस्टा (विजलीए-पिस्टरी के पाठ्यक्रम का प्रमाण पत्र),
- (xxxi) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान के बोर्ड आफ इंटर्मीडिएट एण्ड सेकेन्डरी एजूकेशन, जैसोर द्वारा प्रदान किया गया सेकेन्डरी स्कूल सर्टिफिकेट,
- (xxxii) पंजाब विश्वविद्यालय की हायर सेकेन्डरी (कोर सड़ैक्ट्स) परीक्षा,
- (xxxiii) शिक्षा मंत्रालय मलेशिया के सहयोग से ली जाने वाली कैम्ब्रिज लोकल एजामिनेशन सिर्जीकेट विश्वविद्यालय की मलेशियन सर्टिफिकेट आफ एजूकेशन परीक्षा,
- (xxxiv) एंग्लो इंडियन स्कूल मद्रास के निरीक्षक द्वारा ली गई एंग्लो इंडियन हाई स्कूल परीक्षा (स्टैण्डर्ड-xi),
- (xxxv) भारतीय विद्यालय प्रमाण पत्र परीक्षा परिषद् द्वारा संचालित भाष्यमिक शिक्षा परीक्षा (कक्षा X परीक्षा) का भारतीय प्रमाण पत्र, बशर्ते कि यह परीक्षा पांच विषय लेकर पास की गई हो और जिनमें गणित, विज्ञान और

कम से कम दो भाषाएं सम्मिलित हों। पाचवा विषय ग्रुप I के शेष विषयों (भारतीय इति-हास एवं संस्कृति, नागरिक शास्त्र तथा भगोल) अथवा ग्रुप-II के विषयों (कला, तकनीकी ड्राइंग के साथ लकड़ी का कार्य अथवा धातु-कार्य, प्रारंभिक गृह विज्ञान, प्रारंभिक लेखा जोखा और कार्यालय पद्धति के साथ आशुलिपि तथा टंकण) में से कोई सा हो सकता है।

**टिप्पणी 1:**—कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसी कोई परीक्षा दे दी है, जिसके पास करने पर वह आयोग की परीक्षा में बैठने का पात्र होगा परन्तु उसे परीक्षाफल की सूचना नहीं मिली है तथा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इच्छुक है, आयोग की परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र नहीं होगा।

**टिप्पणी 2:**—किन्तु आपवादिक मामलों में, किसी ऐसे उम्मीदवार को जिसके पास इस नियम में निर्धारित कोई भी अर्हता नहीं है संघ लोक सेवा आयोग शिक्षा की दृष्टि से अर्हता-प्राप्त उम्मीदवार मान सकता है, बशर्ते कि उसके पास ऐसी योग्यताएँ हों जिनका स्तर आयोग की राय में, परीक्षा में प्रवेश के लिए न्यायोचित है।

8. नैमित्तिक या विहाड़ी वाले कर्मचारियों को छोड़कर जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी सेवा में हो, आहे वे स्थायी अथवा अस्थायी हैसियत से हैं अथवा कार्य प्रभारी हैं, उन्हें आवेदन पत्र संबंधित विभाग अथवा कार्यालय के अध्यक्ष के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए जो आवेदन पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को पूरा करके आयोग को अप्रेषित करेगा। ऐसे उम्मीदवारों को, अपने ही हित में, अपने आवेदन पत्रों की अग्रिम प्रतियां आयोग को सीधी प्रस्तुत करनी चाहिए। इन पर निर्धारित फीस साथ हीने पर अन्तिम रूप से विचार किया जाएगा परन्तु मूल आवेदन पत्र अन्तिम तारीख के बाद सामान्यतः पन्द्रह दिन के भीतर आयोग को पंद्रह जाना चाहिए। यदि ऐसा कोई व्यक्ति जो पहले से ही सरकारी नौकरी में है, अपने आवेदन पत्र को अग्रिम प्रति निर्धारित फीस सहित प्रस्तुत नहीं करता है अथवा उसके द्वारा प्रस्तुत की गई अग्रिम प्रति आयोग के कार्यालय में अन्तिम तारीख को अथवा इसके पहले प्राप्त नहीं होती है तो उसके विभाग अथवा कार्यालय के प्रधान के माध्यम से प्रस्तुत किए गए आवेदन पत्र पर यदि वह आयोग के कार्यालय में अन्तिम तारीख के बाद प्राप्त हुआ हो, विचार नहीं किया जाएगा।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं छोड़ने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन न हो)।

11. उम्मीदवारों को आयोग की विज्ञप्ति के अनुबन्ध में विहित फीस देनी होती।

12. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया है कि उसने:—

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छछ रूप में कार्यसाधन कराया है, अथवा
- (iv) जल्दी प्रमाण पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं जिन में तथ्यों को वियाढ़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे घक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाए हैं, अथवा
- (viii) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा
- (ix) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवप्रेरित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसिक्यूशन) लाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—
- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
- (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए आयोग द्वारा, ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए, (II) केन्द्रीय सरकार द्वारा, अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

13. परीक्षा के पश्चात् प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा अंतिम रूप से प्राप्त कुछ अंकों के आधार पर आयोग द्वारा उनकी योग्यता क्रम से सूची बनाई जाएगी और उस क्रम के अनुसार प्रायोग आयोग उस परीक्षा में जितने उम्मीदवारों को सफलता-प्राप्त समझेगा, उनके नाम अपेक्षित संख्या तक केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा और रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक के ग्रेड-II की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरे जाने वाले अन्य सेवाओं/पदों

में अनारक्षित रिक्तियों में नियुक्ति के लिए अपेक्षित संख्या तक के नामों की सिफारिश की जाएगी।

परन्तु यदि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवार इन जातियों के लिए आरक्षित रिक्त स्थानों की संख्या तक सामान्य स्तर से नहीं भरे जा सकते तो केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा-I रेसवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-II की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए और आरक्षित कोटा में कमी पूरी करने के लिए स्तर में प्रदत्त छूट के अनुसार इस परीक्षा में योग्यता क्रम में स्थान निरपेक्ष अन्य सेवाओं/पदों के रिक्त स्थानों की नियुक्ति के लिए उपर्युक्त होने पर, आयोग द्वारा उनके नाम सिफारिश किए जा सकते हैं।

14. आवेदन पत्र भेजते समय विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवार द्वारा दी गई प्राथमिकताओं (वेखि आवेदन पत्र का कालम 25) को परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्तियों करते समय समूचित रूप से ध्यान में रखा जाएगा।

15. हर एक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए? इसका निर्णय आयोग अपने विवेकानुसार करेगा और आयोग परिणामों के बारे में उनसे कोई पत्र अवहार नहीं करेगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता। इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपर्युक्त है।

#### 17. जिस व्यक्ति ने

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या
- (ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा। परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह, ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सूत के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अधीन स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं, तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

18. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो समंधित सेवा/पद के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक निभाने में आधक हो। यदि सक्षम अधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह जात हुआ कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा

की जाएगी जिन पर नियुक्ति के सम्बन्ध में विचार किए जाने की संभावना हो।

टिप्पणी — भूत्युर्व रक्षा सेवा के बिकलांग कार्मिकों के संबंध में रक्षा सेवा के डीमोवीलाइजेशन मैडिकल बोर्ड द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाण पत्र नियुक्ति के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

19. उन सेवाओं/पदों के बारे में, जिसके लिए इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है, संक्षिप्त व्यौरा परिशिष्ट II में दिया गया है।

के० श्री० नायर, अवर सचिव

#### परिशिष्ट-1

1. परीक्षा के विषय, तथा प्रत्येक विषय के लिए दिया गया समय तथा पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

भाग क—लिखित परीक्षा

विषय	समय	पूर्णांक
(i) सामान्य अंग्रेजी	1 1/2 घन्टे	50
(ii) निबन्ध	1 1/2 घन्टे	50
(iii) सामान्य ज्ञान	3 घन्टे	100

भाग-ख—हिन्दी या अंग्रेजी आशुलिपि (लिखित परीक्षा में उसीर्ण होने वालों के लिए)

300 अंक

टिप्पणी — उम्मीदवारों को अपने आशुलिपि नोट टंकण मशीन पर लिख्यांतर करने होंगे, और इस प्रयोजन के लिए उन्हें अपनी टंकण मशीन लानी होगी।

2. लिखित परीक्षा के लिए पाठ्य विवरण तथा आशुलिपिक की परीक्षाओं की योजना इस परिशिष्ट को संलग्न अनुसूची में दिए गए अनुसार होंगी :—

3. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्र (ii) 'निबन्ध' और प्रश्न पत्र (iii) 'सामान्य ज्ञान' का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) या अंग्रेजी में देने की छूट है। यह छूट पूर्ण प्रश्न पत्रों के लिए लागू होगी न उसके किसी भाग के लिए और यह छूट उपर्युक्त दोनों प्रश्न पत्रों के लिए समान है।

जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न पत्रों को हिन्दी (देवनागरी) में लिखने का विकल्प लेंगे उन्हें आशुलिपि की परीक्षा भी केवल हिन्दी (देवनागरी) में ही देनी होगी। और जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न पत्रों की अंग्रेजी में लिखने का विकल्प लेंगे उन्हें आशुलिपि की परीक्षा भी केवल अंग्रेजी में ही देनी होगी।

प्रश्न पत्र केवल अंग्रेजी में तैयार किए जायेंगे। परन्तु निबन्ध के प्रश्न पत्र में निबन्धों के अंग्रेजी शीर्षकों के साथ-साथ हिन्दी रूपान्तर भी दिए जायेंगे।

टिप्पणी 1—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में निबन्ध के इन (ii) तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र (iii) का उत्तर तथा आशुलिपिक की परीक्षा हिन्दी में देने के इच्छुक हों, तो यह विकल्प आवेदन पत्र के कालम 8 मे लिखें। अन्यथा यह माना जायेगा कि उम्मीदवार लिखित परीक्षा तथा आशुलिपिक की परीक्षा मे अप्रेजी मे देंगे।

एक बार का विकल्प अन्तिम समझा जायेगा और उक्त कालम मे कोई परिवर्तन करने का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जायेगा।

टिप्पणी-2—ऐसे उम्मीदवारों को अपनी नियुक्ति के बाद जो आशुलिपिक की परीक्षा हिन्दी मे देने का विकल्प लेंगे, अप्रेजी आशुलिपि और जो आशुलिपिक की परीक्षा अप्रेजी मे देने का विकल्प लेंगे उन्हे हिन्दी आशुलिपिक सीखनी आवश्यक होगी।

टिप्पणी-3—जो उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 3 के अनुसार विदेशों मे स्थित भारतीय मिशनों मे परीक्षा देना चाहते हैं, और निबन्ध के प्रश्न पत्र (ii) तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र (iii) का उत्तर तथा आशुलिपिक की परीक्षाओं मे हिन्दी मे लिखना चाहते हैं, उन्हे अपने निजी व्यय पर आशुलिपि की परीक्षाएं विदेश मे किसी भारतीय मिशन मे, जहां ऐसी परीक्षाएं देने के आवश्यक प्रबन्ध हो, परीक्षा देनी पड़ सकती हो।

4. लिखित परीक्षा का सामान्य अप्रेजी प्रश्न पत्र (i) का उत्तर सभी उम्मीदवारों द्वारा अप्रेजी मे देना अनिवार्य है।

5. जो उम्मीदवार 120 शब्द प्रति मिनट वाले डिक्टेशन मे न्यूनतम योग्यता प्राप्त कर लेंगे उन्हे 100 शब्द प्रति मिनट वाले डिक्टेशन मे वही स्तर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों से कम मे ऊंचा रखा जाएगा। प्रत्येक वर्ग मे उम्मीदवारों को प्रत्येक उम्मीदवार को दिए कुल अंक के अनुसार, पारस्परिक प्रवरता अनुक्रम मे रखा जाएगा (निम्नलिखित अनुसूची का भाग ख को देखें)।

6. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत मे उन्हे उत्तर लिखने के लिए अन्य अविक्त की सहायता देने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

7. आयोग अपने विवेकानन्दुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अहंक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित करेगा।

8. केवल उन्हीं उम्मीदवारों को आशुलिपिक परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा जो आयोग द्वारा अपने विवेकानन्दुसार नियत किए गए न्यूनतम अहंक अंक प्राप्त कर लेंगे।

9. केवल सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जायेंगे।

10. अस्पष्ट लिखावट के कारण, लिखित विषयों के अधिकतम अंकों के 5 प्रतिशत तक छाट दिए जायेंगे।

11. परीक्षा के सभी विषयों मे इस बात को विशेष लिहाज रखा जाएगा कि भाषाभिव्यक्ति आवश्यकतानुसार कम से कम शब्दों मे क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक टीक की गई है।

### अनुसूची भाग क

परीक्षा का रूपरूप और पाठ्य विवरण

टिप्पणी :—भाग 'क' के प्रश्न पत्रों का स्तर समझ वही होगा जो किसी भारतीय विश्वविद्यालय की भैटिक्युलेशन परीक्षा का होता है।

सामान्य अप्रेजी : यह प्रश्न पत्र इस ढंग से तैयार किया जाएगा, कि इससे उम्मीदवार के अप्रेजी व्याकरण और निबन्ध रचना के ज्ञान को तथा अप्रेजी भाषा को गमनने और निबन्ध रचना के शुद्ध अप्रेजी लिखने की उनकी योग्यता की जात हो जाए। अंक देते समय वाक्य विचार/सामान्य अभिव्यक्ति और भाषा के स्वयं-वस्थित प्रयोग को ध्यान मे रखा जाएगा। इस प्रश्न पत्र मे निबन्ध लेखन, मसौदा-लेखन, शब्दों के शुद्ध प्रयोग, आधान मुहावरों और अव्यय (प्रोपोजीशन) डायरेक्ट और इनडायरेक्ट स्त्रीच आदि शामिल किए जा सकते हैं।

निबन्ध :—उम्मीदवारों को एक निबन्ध लिखना होगा। विषय चुनने की छृट दी जाएगी। उससे यह आशा की जाएगी कि वे अपने विचार अवस्थित रूप से निबन्ध के विषय के सम्बन्ध मे ही संक्षिप्त रूप मे लिखें। प्रभाव पूर्ण अंक ढंग से तथा ठीक ठीक भाव व्यक्त करने वालों को श्रेय दिया जाएगा।

सामान्य ज्ञान :—निम्नलिखित विषयों को थोड़ी बहुत जानकारी :—

भारत का संविधान, पंचवर्षीय योजनाएं, भारतीय इतिहास और संस्कृति, भारत का सामान्य और आर्थिक भूगोल, सामयिक घटनाएं, सामान्य विज्ञान और दिन प्रतिदिन नजर आने वाली ऐसी बातें जिनकी जानकारी पढ़े लिखे अविक्त की होनी चाहिए। उम्मीदवारों के उत्तरों से यह प्रकट होना चाहिए कि उन्होंने प्रश्नों को अच्छी तरह से समझ है। उनके उत्तरों मे किसी पाठ्यपुस्तक के व्यौरेवार ज्ञान की अवेद्य नहीं की जाती है।

### भाग ख

आशुलिपि परीक्षाओं की योजना

अप्रेजी मे आशुलिपि की परीक्षाओं मे दी डिक्टेशन परीक्षाएं होंगी। एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिए और दूसरी 100 शब्द प्राप्त मिनट की गति से दस मिनट के लिए जो उम्मीदवारों को क्रमशः 45 तथा 50 मिनटों मे लिख्यतर करने होंगे।

हिन्दी मे आशुलिपि की परीक्षाओं मे दो डिक्टेशन परीक्षाएं होंगी। एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के

लिए और दूसरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिए जो उम्मीदवारों को क्रमशः 60 तथा 65 मिनटों में लिप्यंतर करने होंगे।

### परिशिष्ट 11

उन सेवाओं/पदों से सम्बन्धित संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है।

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक (स्टैनोग्राफर) सेवा केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्नलिखित चार ग्रेड हैं:—

चयन ग्रेड : रु० 775-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

ग्रेड-I रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040।

(ग्रेड II से पदोन्नत होने वाले व्यक्तियों का वेतन इस वेतनमान में न्यूनतम रु० 710/- पर निर्धारित कर दिया जाएगा।

ग्रेड-II : रु० 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800-।

ग्रेड-III : रु० 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560।

(2) उक्त सेवा के ग्रेड-II में नियुक्त व्यक्तियों को दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएं देनी पड़ सकती हैं।

(3) परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार संबंधित व्यक्ति को उसके पद पर पुष्ट कर सकती है या यदि उसका कार्य अथवा आचरण सरकार की राय में असन्तोषजनक रहा हो तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसी को परिवीक्षा अवधि जितनी और बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(4) सेवा के ग्रेड-III में भर्ती किए गए व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मन्त्रालयों या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा। पर किन्तु उनकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मन्त्रालय या कार्यालय में बदली हो सकती है।

(5) सेवा ग्रेड II में भर्ती किए व्यक्ति इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नत किए जाने के पात्र होंगे।

(6) जिन लोगों की नियुक्ति सेवा के ग्रेड II में उनकी अपनी इच्छा के अनुसार की जायेगी, वे उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ख) के काउर में अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा योजना में शामिल किसी पद पर स्थानान्तरण या नियुक्ति को दावा न कर सकेंगे।

(ख) भारतीय विदेश सेवा (बी)—आशुलिपिकों को उपसंचार भारतीय विदेश सेवा (बी) आशुलिपिकों के उप संचार में इस समय निम्नलिखित चार ग्रेड हैं:—

चयन ग्रेड : रु० 775-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

ग्रेड-I : रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040।

ग्रेड-II : रु० 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800।

ग्रेड III : रु० 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560।

(ग्रेड II से पदोन्नत होने वाले व्यक्तियों का वेतन इस वेतनमान में न्यूनतम रु० 710/- पर निर्धारित किया जायेगा।

2. इस सेवा के ग्रेड II में भर्ती किए गए व्यक्ति को दो वर्ष की परिवीक्षा पर होंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएं देनी पड़ सकती हैं। परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर यदि उनमें से किसी का कार्य या आचरण सरकार की राय में असन्तोषजनक रहा तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवीक्षा अवधि जितनी और बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

3. भारतीय विदेश सेवा (शाखा-बी) आशुलिपिकों के उप संचार के ग्रेड-II में नियुक्त अधिकारी, भारतीय विदेश सेवा शाखा-ख (आर० सी० एस० पी०) नियमावली 1964, भारतीय विदेश सेवा (पी० एल० सी० ए०) नियमावली, 1961 जो भारतीय विदेश सेवा 'ख' के अधिकारियों पर लागू की गई है, तथा वे नियम और आदेश जो भारत सरकार द्वारा उन पर लागू किए जायें, द्वारा शासित होंगे।

4. भारतीय विदेश सेवा शाखा (ख) विवेश मन्त्रालय और विवेश में भारतीय भिन्नतों तक ही सीमित है। इस सेवा में नियुक्त अधिकारी वाणिज्य मन्त्रालय को छोड़कर मान्यता अन्य मन्त्रालयों में स्थानान्तरित नहीं किए जा सकेंगे। परन्तु वे विवेशों में अन्य मन्त्रालयों के पदों में निर्मित पदों पर तथा अन्तर्राष्ट्रीय भ्रायों आदि में भी नियुक्त किए जा सकते हैं। वे भारत में तथा भारत के बाहर कहीं भी, उन स्थानों सहित जहां परिवार का कोई भी सदस्य साथ नहीं रखना होता, सेवा पर भेजे जा सकते हैं।

5. भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों को विवेशों में, उनके मूल वेतन के अतिरिक्त उस दर से विवेश भत्ता दिया जाएगा, जो सम्बद्ध देशों के निवाह खर्च आदि के आधार पर समय समय पर स्वीकार किया जाए। इसके अतिरिक्त भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों के लिए लागू भारतीय विदेश सेवा (पी० एल० सी० ए०) नियमावली, 1961 के अनुसार विवेश सेवा अवधि में निम्नलिखित रिआयते भी स्वीकार्य होंगी:—

(i) सरकार द्वारा निर्धारित वेतनमान के अनुसार निःशल्क सुसज्जित आवास।

(ii) चिकित्सा परिचर्या योजना सहायक के अन्तर्गत चिकित्सा परिचर्या सुविधाएं।

(iii) 8 और 21 वर्ष की आयु के बीच के अधिक दो बच्चों के लिए जो भारत में पढ़ रहे हों अथवा एक बच्चा भारत में तथा दूसरे विदेश में अधिकारी की तैनाती से दूसरे किसी अन्य देश में पढ़ रहा हो, कठिपर्यं शतों के अधीन वायुमार्ग द्वारा वापसी यात्रा व्यय। यदि सरकारी कर्मचारी के भारत में शिक्षा प्राप्त कर रहे 8 और 21 वर्ष की आयु के बीच दो से अधिक बच्चे हैं, तो उस विदेश में अपने माता पिता के पास यात्रा करते वाले दो बच्चों के बदले अपनी पत्नी की छुट्टियों के दौरान भारत भेजने का विकल्प होगा। ऐसे किसी मामले में सरकारी कर्मचारी को पत्नी सस्ती से सस्ती उपलब्ध श्रेणी से वायुमार्ग द्वारा वापसी यात्रा व्यय की हकदार होगी।

(iv) सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर से 5 से 18 वर्ष के अधिकतम दो बच्चों का शिक्षा भत्ता।

(v) विहित नियमों और समय-समय पर सरकार द्वारा निश्चित दरों के अनुसार विदेशों में सेवा करने के सम्बन्ध में सज्जाकरण भत्ता। साधारण सज्जाकरण भत्ते के अतिरिक्त असाधारण ठड़ी जलवायु वाले देशों में नियुक्त अधिकारियों को विशिष्ट सज्जाकरण भत्ता स्वीकार्य होगा।

(vi) विहित नियमों के अनुसार अधिकारियों और उनके परिवारों को घर जाने की छुट्टी का यात्रा किराया।

6. केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 जो समय-समय पर सशोधित किए गए हैं, विकल्पिय आशोधनों के अधीन इस सेवा में के मदस्यों पर लागू होंगे।

ये अधिकारी कुछ पड़ोसी देशों को छोड़ कर विदेश सेवा में केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम 1972 के अधीन स्वीकार्य छुट्टियों के 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त छुट्टी जमा कर सकेंगे।

7. उक्त अधिकारी जो भारत में होंगे, तो ऐसी रिआयतों के हकदार होंगे, जो बराबर तथा एक समान स्तर के अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए स्वीकार्य होंगे।

8. भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारी सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाये) नियमावली 1960 जिसे समय-समय पर सशोधित किया गया है, तथा उसके अन्तर्गत जारी किए गए आदेशों द्वारा शासित होंगे।

9. इस सेवा में नियुक्त अधिकारी उदारपेशन नियमावली, 1950 जिसे समय समय पर मंशोधित किया गया है, और इसके अन्तर्गत जारी किए गए आदेशों के द्वारा शासित होंगे।

ग. सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा

सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्नलिखित चार ग्रेड हैं:—

- आशुलिपिक ग्रेड-I (निजी सचिव)
- श्रेणी-II राजपत्रित (चयन ग्रेड)

वेतनमान रु० 775-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

2. आशुलिपिक ग्रेड I (विशिष्ट वैयक्तिक सहायक)

श्रेणी II-राजपत्रित

वेतनमान रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040।

3. आशुलिपिक ग्रेड II (वैयक्तिक सहायक)

श्रेणी II—भाराजपत्रित

वेतनमान रु० 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800।

4. आशुलिपिक ग्रेड-III—श्रेणी-III

वेतनमान रु० 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560।

2. अस्थायी आशुलिपिक ग्रेड II (वैयक्तिक सहायक) के रूप में सीधे भर्ती किए गए व्यक्ति 2 वर्ष तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि में यदि असन्तोषजनक मेवा अभिलेख रहा, तो परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा से निकाला जा सकता है। परिवीक्षा काल में उन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएं देनी पड़ सकती हैं।

3. सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में भर्ती किया गया ग्रेड II का आशुलिपिक सामान्यतः सशस्त्र सेना मुख्यालय और दिल्ली / नई दिल्ली स्थित अन्तर सेवासंगठन के किसी कार्यालय में नियुक्त किया जाएगा। वह दिल्ली नई दिल्ली के बाहर ऐसे अन्य स्थानों पर भी नियुक्त किया जा सकेंगे जहां सशस्त्र सेना मुख्यालय/अन्तर सेवा संगठन के कार्यालय स्थित होंगे।

4. ग्रेड-II के आशुलिपिक ग्रेड-I (विशिष्ट वैयक्तिक सहायक) लिपिकों के पदों पर पदोन्नति के लिए पात्र होंगे और ग्रेड-I के आशुलिपिक (विशिष्ट वैयक्तिक सहायक) समय-समय पर लागू किए गए नियमों के अनुसार ग्रेड-I के आशुलिपिक (निजी सचिव) के रूप में पदोन्नति के पात्र होंगे।

5. छुट्टी चिकित्सा सहायता और सेवा की अन्य शर्तें वही हैं जो सशस्त्र सेना मुख्यालय और अन्तर सेवा संगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए लागू हैं।

### कृषि और सिवाई मन्त्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर, 1975

संकल्प

सं० 25-8/68-एल० डी० I—इस मन्त्रालय के संकल्प सं० 25-8/68-एल० डी० I—दिनांक 4 सितम्बर, 1973 में संशोधन करते हुए केन्द्रीय सरकार ने सरदार पटेल सामाजिक तथा आर्थिक अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद के निदेशक डा० वार्ड० के० अलध, जिनके त्यागपत्र को स्वीकार कर लिया गया है, के स्थान पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,

हिसार (हरियाणा) के कृषि अर्थ शास्त्र के प्रोफेसर डॉ आई० जे० सिंह को तत्काल ही गोरक्षा समिति का सदस्य नियुक्त करने का निर्णय किया है।

आई० जे० नायडू, अपर सचिव

ग्रामेश

ग्रामेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति निम्नलिखित को भेज दी जाये:—

1. समस्त राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र
2. लोक सभा सचिवालय
3. राज्य सभा सचिवालय
4. प्रधान मन्त्री का सचिवालय
5. मन्त्रिमण्डल सचिवालय
6. न्यायाधीश जी० के० मित्र, सेवा-निवृत्त न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय, 36/ए०, साउथ एण्ड पार्क, कलकत्ता ।
7. गोरक्षा, समिति के सब सदस्य।

8. डॉ वाई० के० अलघ, निदेशक, सरदार पटेल सामाजिक तथा आर्थिक अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद।

9. डॉ आई० जे० सिंह, कृषि अर्थ शास्त्र के प्रोफेसर, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा)।
10. सचिव, गोरक्षा समिति, नई दिल्ली।
11. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि भवन, नई दिल्ली।
12. स्थापना-1, स्थापना-2, स्थापना-3, स्थापना-4, रोकड़-1 तथा रोकड़-2 एवं बजट अनुभाग।
13. सूचना अधिकारी, कृषि विभाग, नई दिल्ली।

यह भी ग्रामेश दिया जाता है कि सर्व साधारण की जानकारी के लिये इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाय।

एम० सिंह, निदेशक (ए० एच० तथा एस० एल०)

CABINET SECRETARIAT  
(DEPTT. OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

RULES

New Delhi, the 4th October, 1975

No. 12/8/75-CS.II.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1976 for the purpose of filling temporary vacancies in the following services/posts are published for general information:

- (i) Indian Foreign Service (B)—(Grade II of the Stenographers' sub-cadre);
- (ii) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade II (for inclusion in the Select List of the Grade).
- (iii) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade, II; and
- (iv) Posts of Stenographers in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.

1. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or more of the services/posts mentioned above. He may specify in his application as many of these Services/posts as he may wish to be considered for.

NOTE 1.—Candidates are required to specify clearly the order of preferences for the Services/posts, for which they wish to be considered. No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts originally indicated by a candidate in his application would be considered unless such a request is received in the office of the Union Public Service Commission on or before 31st August, 1976.

NOTE 2.—Some departments/offices of the Government of India making recruitment through this examination would require only English Stenographers; and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Tests in English (cf para 3 of Appendix 1 to the Rules).

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates

belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; (as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas Reorganisation) Act, 1971 the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964 the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to the Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. 1) A candidate must be either:—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania with the intention of permanently settling in India;

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Provided further that candidates belonging to categories (b), (c), and (d) above will not be eligible for appointment

to the Indian Foreign Service (B)—(Grade II of the Stenographers Sub-Cadre).

(2) A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

5. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or was not a resident of the former Portuguese territories of Goa, Daman and Diu or is not a migrant from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania shall be permitted to complete more than twice at the examination but this restriction shall be effective from the examination held in 1962.

NOTE 1.—For the purpose of this rule a candidate shall be deemed to have competed at the examination once for all the Services/posts covered by the examination, if he competes for any one or more of the Services/posts.

NOTE 2.—A candidate shall be deemed to have competed at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

6. (A) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st January, 1976, i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1951, and not later than 1st January, 1958.

(B) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Stenographers (including language Stenographers)/Clerks/Stenographers in the various Departments/Offices of the Government of India including those under the Union Territories Administrations or in the offices of the Election Commission and the Central Vigilance Commission and have rendered not less than 3 years continuous service as Stenographer (including language Stenographer)/Clerk/Stenotypist on 1st January, 1976 and continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be available to persons, appointed as Stenographers on the basis of earlier examinations, held by the Union Public Service Commission, in :—

- (i) Central Secretariat Stenographers' Service Grade II; or
- (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service Grade II; or
- (iii) Indian Foreign Service (B) Grade II of the Stenographers' Sub-Cadre; or
- (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Grade II.

NOTE 1.—Service rendered by R.M.S. Sorters employed in Subordinate Officers of P. & T. Deptt. shall be treated as service rendered in the grade of Clerk for purpose of Rule 6(B) above.

NOTE 2.—Service rendered by Service clerks employed in Defence installations, shall not be counted for the purpose of Rule 6(B) above.

(C) The upper age limit in all the above cases, will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate was a resident of the former Portuguese Territories of Goa, Daman and Diu;

- (v) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (vi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania;
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xii) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xiii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED ABOVE SHALL IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(B) above shall be cancelled, if after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

(ii) A stenographer (including language Stenographer/Clerk/Stenotypist who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority, or who is transferred to another post but retains lien on the post from which he is transferred, will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

7. Candidates must have passed one of the following examinations or must possess one of the following certificates :—

- (i) Matriculation examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India;
- (ii) an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School Course for the award of a School Leaving Secondary School High School or any other Certificate which is accepted by the Government of that State as equivalent to Matriculation certificate for entry into service;
- (iii) Cambridge School Certificate Examination (Senior Cambridge);

- (iv) European High School Examination held by the State Governments;
- (v) Tenth Class certificate of the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry;
- (vi) Tenth Class Certificate from the Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic;
- (vii) Pass in the examination held by a recognised Higher Secondary School/Multipurpose School in India, at the end of the penultimate year of a higher Secondary Course/Multipurpose Course (which enables a candidate to get admission to the 3-year degree course);
- (viii) Tenth class Certificate from a recognised school preparing students for the Indian School Certificate Examinations;
- (ix) Junior Examination of the Jamia Millia Islamia, Delhi in the case of bona fide resident students of the Jamia only;
- (x) Bengal (Science) School Certificate;
- (xi) Final School Standard Examination of the National Council of Education, Jadavpur, West Bengal (Since inception);
- (xii) the following French Examinations of Pondicherry;
- (i) 'Brevet Elementaire' (ii) 'Brevet d'Enseignement Primaire de Langue Indienne' (iii) 'Brevet D'etudes du Premier Cycle' (iv) 'Brevet D'Enseignement Primaire Supérieur de Langue Indienne and (v) Brevet de Langue Indienne (Vernacular).
- (xiii) Indian Army Special Certificate of Education;
- (xiv) Higher Educational test of the Indian Navy;
- (xv) Advanced Class (Indian Navy) Examination;
- (xvi) Ceylon Senior School Certificate Examination;
- (xvii) Certificate granted by the East Bengal Secondary Education Board, Dacca.
- (xviii) Secondary School Certificate granted by the Board of Secondary Education at Comilla/Rajshahi/Khulna in erstwhile East Pakistan;
- (xix) School Leaving Certificate Examination of the Government of Nepal;
- (xx) Anglo-Vernacular School Leaving Certificate (Burma);
- (xxi) Burma High School Final Examination Certificate;
- (xxii) Anglo-Vernacular High School Examination of the Education Department Burma (Pre-war);
- (xxiii) Post War School leaving certificate of Burma.
- (xxiv) the 'Vinil' examination of the Gujarat Vidyapith, Ahmedabad;
- (xxv) Pass in the 5th Year of 'Lyceum' a Portuguese qualification in Goa, Daman and Diu;
- (xxvi) General Certificate of Education Examination of Sri Lanka at 'Ordinary' level provided it is passed in five subjects;
- (xxvii) General Certificate of Education Examination of the Associated Examination Boards London at 'Ordinary' Level provided it is passed in five subjects including English;
- (xxviii) The Junior/Secondary Technical School Examination conducted by any of the State Boards of Technical Education;
- (xxix) Purva Madhyama (with English), or Old Khand Madhyama (first two years course) and special
- Examination in additional subjects with English as one of the subjects of the Varanaseya Sanskrit Vishwa Vidyalaya, Varanasi.
- (xxx) Carta de Curso de Formacao do Serralheiro (Certificate in Smithy course) and Carta de Curso de Montador Electricista (Certificate in Electrician course) awarded by the Escola Industrial Commercial de Goa Panaji, under the Portuguese set-up prior to Liberation of Goa, Daman and Diu;
- (xxxi) Secondary School Certificate awarded by the Board of Intermediate and Secondary Education, Jeddah in erstwhile East Pakistan;
- (xxxii) Higher Secondary (Core subjects) examination of Punjab University.
- (xxxiii) Malaysian Certificate of Education Examination of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate conducted in collaboration with the Ministry of Education, Malaysia;
- (xxxiv) Certificate of Anglo-Indian High School Examination (Standard XI) issued by the Inspector of Anglo-Indian Schools, Madras, and
- (xxxv) Indian Certificate of Secondary Education Examination (Class X Examination) conducted by the Council for the Indian School Certificate Examinations provided it is passed in five subjects which should include Mathematics, Science, and at least two languages. The fifth subject could be any of the remaining subjects in Group I (Indian History and Culture including Civics and Geography) or any of the subjects in group II (Art, Wood work or Metal work with technical Drawing, Elements of Home Science, Elements of Accounts and Shorthand and Typewriting with office practice).

Note 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

Note 2.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

8. Persons already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Officer concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should, in their own interest submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee will be considered provisionally but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. If a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application alongwith the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's Office on or before the closing date, the application submitted by him through the Head of his Department or Office if received in the Commission's office after the closing date will not be considered.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

  - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
  - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—

    - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
    - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and

  - (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for inclusion in the Select List of Grade II of the Central Secretariat Stenographers Service and Railway Board Secretariat Stenographers' Service upto the required number and for appointment upto the number of unreserved vacancies in other Services/posts decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for inclusion in the Select List of Grade II of the Central Secretariat Stenographers Service/Railway Board Secretariat Stenographers Service and for appointment to vacancies in other Services/posts irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. Due consideration will be given, at the time of making appointments on the results of the examination, to the preference expressed by a candidate for various Services/posts at the time of his application (cf. col. 25 of the application form).

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having

regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointments to the Service/post.

#### 17. No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who, after such medical examination as may be prescribed by the competent authority is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE.—In the case of disabled ex-Defence Services personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointments.

19. Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination, are given in Appendix II.

K. B. NAIR, Under Secy.

#### APPENDIX I

1. The subjects of the examination the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows:—

#### PART A—WRITTEN TEST

Subject	Time allowed	Maximum Marks
(i) General English	1½ hours	50
(ii) Essay	1½ hours	50
(iii) General Knowledge	3 hours	100

#### PART B—SHORTHAND TESTS IN HINDI OR IN ENGLISH (FOR THOSE WHO QUALIFY AT THE WRITTEN TEST).

300 Marks

Note.—Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on type writers, and for the purpose they will be required to bring their own typewriters with them.

2. The syllabus for the Written Test and the scheme of the shorthand Tests will be as shown in the Schedule to this Appendix.

3. Candidates are allowed the option to answer paper (ii) 'Essay' and paper (iii) 'General Knowledge' either in Hindi (Devanagari) or in English. The option will apply to complete papers and not to a part thereof and it should be the same for both the papers mentioned above.

Candidates who opt to answer the aforesaid papers in Hindi (Devanagari) will be required to take the Shorthand Tests also in Hindi (Devanagari) only and candidates who opt to answer the aforesaid papers in English will be required to take the Shorthand Tests also in English only.

Question papers will be set in English only. However, the question paper in 'Essay' will also contain Hindi version of the English captions of essay.

Note 1.—Candidates desirous of exercising the option to answer paper (ii) Essay and paper (iii) General Knowledge, of the Written Test and take Shorthand Tests in Hindi (Devanagari), should indicate their attention to do so in col. 8 of the application form. Otherwise, it will be assumed that they will take the Written Test and Shorthand tests in English.

The option once exercised shall be treated as final; and no request for alteration in the said column shall be entertained.

Note 2.—Candidates who opt to take the shorthand test, in Hindi will be required to learn English stenography, and vice versa, after their appointment.

Note 3.—A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad and exercising the option to answer paper (ii) Essay and paper (iii) General Knowledge and take the Stenography Test in Hindi in terms of para 3 above, may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

4. Paper (i) General English of the Written Test must be answered in English by all candidates.

5. Candidates who satisfy the minimum qualifying standard in the dictation at 120 words per minute will rank above the candidates who obtain the same standard in the dictation at 100 words per minute, persons in each group being arranged inter se in order of their merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate (cf. Part B of the Schedule below).

6. Candidates must write the papers in their own hands. In no circumstances will they be allowed to help of a scribe to write down answers for them.

7. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

8. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written test as may be fixed by the Commission in their discretion will be called for shorthand test.

9. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

10. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

11. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

## SCHEDULE

### Part A

#### *Standard and syllabus of the written test*

Note.—The standard of the question papers in Part A will be approximately that of the Matriculation examination of an Indian University.

*General English.*—The paper will be designed to test the candidates' knowledge of English Grammar and Composition, and generally their power to understand and ability to write correct English. Account will be taken of arrangement general expression and workmanlike use of the language. The paper may include questions on precis writing; drafting; correct use of words; easy idioms and prepositions; direct and indirect speech etc.

*Essay.*—Candidates will be required to write an essay. A choice of subjects will be given. They will be expected to keep closely to the subject of the essay to arrange their ideas in orderly fashion, and to write concisely. Credit will be given for effective and exact expression.

*General Knowledge.*—Some knowledge of the Constitution of India, Five Year Plans, Indian History and Culture, general

and economic geography of India, current events, everyday science and such matters of every day observation as may be expected of an educated person. Candidates' answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book.

### Part B

#### *Scheme of Shorthand Tests*

The Shorthand Tests in English will comprise two dictation tests, one at 120 words per minute for seven minutes and another at 100 words per minute for ten minutes, which the candidates will be required to transcribe in 45 and 50 minutes respectively.

The shorthand Tests in Hindi will comprise two dictation tests one at 120 words per minute for seven minutes and another at 100 words per minute for 10 minutes which the candidates will be required to transcribe in 60 and 65 minutes respectively.

## APPENDIX II

*Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination*

### A. The Central Secretariat Stenographers' Service

The Central Secretariat Stenographers' Service has at present four grades as follows:—

Selection Grade : Rs. 775—35—880—40—1000—EB—40—1200.

Grade I : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

Grade II : Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Grade III : Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

(Persons promoted from Grade II are allowed a minimum salary of Rs. 710 in the scale).

(2) Persons recruited to Grade II of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by Government.

(3) On the conclusion of the period of probation Government may confirm the person concerned in his appointment or if his work or conduct in the opinion of Government has been unsatisfactory he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Persons recruited to Grade II of the Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Stenographers' Service Scheme. They may however at any time be transferred to any other such Ministry or office.

(5) Persons recruited to Grade II of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to Grade II of the Service in pursuance of their option for that service will not, after such appointment have any claim for transfer or appointment to any post included in the Cadre of the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Service Scheme.

### B. Indian Foreign Service (B)—Stenographers Sub-cadre

The Stenographers' Sub-cadre of the I.F.S. (B) has at present four grades as follows:—

Selection Grade : Rs. 775—35—880—40—1000—FB—40—1200.

Grade I : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

Grade II : Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—  
EB—25—800.

Grade III : Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—  
560.

(Persons promoted from Grade II are allowed a minimum salary of Rs. 710 in the scale).

2. Persons recruited to Grade II of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by the Government. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work or the conduct of any of them, in the opinion of the Government, has been unsatisfactory, he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

3. The officers appointed to Grade II of the S.S.C. of the I.F.S. (Branch B) will be governed by the I.F.S. Branch 'B' (RCSP) Rules 1964, I.F.S. (PLCA) Rules, 1961 as made applicable to I.F.S. 'B' officers and such other rules and orders as may be made applicable to them by the Government of India.

4. The Indian Foreign Service Branch (B) is confined to the Ministry of External Affairs and Indian Missions abroad. The officers appointed to this service are normally not liable to transfer to other Ministries except the Ministry of Commerce. They are, however, liable to be posted abroad against the posts borne on the strength of other Ministries and also liable to be posted to International Commissions etc. They are liable to serve anywhere in India or outside India, including non-family stations.

5. During Service abroad IFS (B) officers are granted foreign allowance in addition to their basic pay at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961 as made applicable to IFS (B) Officers :—

- (i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government.
- (ii) Medical Attendance Facilities under the assisted Medical Attendance Scheme.
- (iii) Annual return air passage for children upto a maximum of two children between the ages of 8 and 21 studying in India or one child studying in India and one child in a country other than the country of the officer's posting abroad subject to certain conditions. If a Government servant has more than two children between ages of 8 and 21 studying in India, he shall have the option to send his wife to India during the vacation in lieu of two children visiting their parents abroad. In such a case the wife of the Government servant shall be entitled to return air passage by the cheapest class available.
- (iv) An allowance for the education of children upto a maximum of two children between the ages of 5 and 18 at rates prescribed by Government from time to time.
- (v) Outfit allowance in connection with service abroad in accordance with the prescribed rules and at rates fixed by Government from time to time. In addition to ordinary outfit allowance, special outfit allowance is admissible to officers posted in countries, where abnormally cold climatic conditions exist.
- (vi) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

6. Central Civil Services (Leave) Rules, 1972, as amended from time to time will apply to members of the service, subject to certain modifications. For service abroad, except in some neighbouring countries, officers are entitled to an additional credit of leave to the extent of 50 per cent of leave admissible under the Central Civil Services (Leave) Rules, 1972.

7. While in India, Officers are entitled to such concessions as are admissible to other Central Government Servants of equal and similar status.

8. Officers of the IFS (B) are governed by the General Provident Fund (Central Services) Rules 1960 as amended from time to time and by orders issued thereunder.

9. Officers appointed to this service are governed by the Liberalised Pension Rules 1950, as amended from time to time and by orders issued thereunder.

#### C. Armed Forces Headquarters Stenographers' Service

The AFHQ Stenographers' Service has, at present four grades as follows :—

1. Stenographers' Grade I (Private Secretary) Class II-Gazetted (Selection Grade).

Scale of pay Rs. 775—35—880—40—1000—EB—40—1200.

2. Stenographers' Grade I (Senior Personal Assistants) Class II-Gazetted.

Scale of pay Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

3. Stenographers' Grade II (Personal Assistants) Class II—Non-Gazetted.

Scale of pay Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

4. Stenographers' Grade III—Class III.

Scale of pay Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

2. Persons recruited direct as temporary stenographers' Grade II (Personal Assistants) will be on probation for a period of 2 years. Unsatisfactory record of service during this period may result in discharge of the probationer from service. During probation, a member of the Service may be required to undergo such training and to pass such tests as the Government may from time to time, prescribe.

3. Stenographers' Grade II recruited to AFHQ Stenographers' Service will be generally posted to any office of the AFHQ and Inter Service Organisations located in Delhi/New Delhi. They will also be liable to be posted to such other stations, outside Delhi/New Delhi, where offices of AFHQ/IS Organisations may be located.

4. Stenographers' Grade II will be eligible for promotion to the post of Stenographers' Grade I (Senior Personal Assistants) and Stenographers' Grade I (S.P.As.) will be eligible for promotion to Stenographer Grade I (Private Secretary) in accordance with the rules in force from time to time.

5. Leave, Medical Aid and other conditions of service are the same as applicable to other ministerial staff employed in Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations.

#### MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

New Delhi, the 10th September 1975

#### RESOLUTION

No. 25-8/68-LDI.—In modification of this Ministry's Resolution No. 25-8/68-J.RI, dated 4th September 1973 the central Government have decided to appoint Dr. I. J. Singh, Professor of Agricultural Economics, Haryana Agricultural University, Hissar (Haryana) to be a member of Committee on Cow Protection with immediate effect vice

Dr. Y. K. Alagh, Director, Sardar Patel Institute of Social & Economic Research, Ahmedabad, who has resigned and whose resignation has been accepted.

I. J. NAIDU, Addl. Secy.

**ORDER**

ORDERED that a copy of the Resolution may be communicated to :—

1. All State Government/Union Territories.
2. Lok Sabha Secretariat.
3. Rajya Sabha Secretariat.
4. Prime Minister's Secretariat.
5. Cabinet Secretariat.
6. Mr. Justice G. K. Mitter, Retired Judge, Supreme Court, 36/A South End Park, Calcutta.

7. All members of the Committee on Cow Protection.
8. Dr. Y. K. Alagh, Director, Sardar Patel Institute of Social Economic Research, Ahmedabad.
9. Dr. I. J. Singh, Professor of Agricultural Economics, Haryana Agricultural University, Hissar (Haryana).
10. Secretary, Committee on Cow Protection, New Delhi.
11. I.C.A.R. Krishi Bhawan, New Delhi.
12. E.I., E.II, E.III, E.IV, Accounts I and II and Budget Section.
13. Information Officer, Department of Agriculture, New Delhi.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

M. SINGH, Director (AH & SL)